

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून ।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 17 दिसम्बर, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में केन्द्रपुरोनिधानित बाढ़ सुरक्षा योजनाओं हेतु धनावंटन पुनर्विनियोग।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-4402मु0अ0वि0/बजट/बी-1 सामान्य दिनांक 16.10.08 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय बाढ़ सुरक्षा योजनाओं के लिए रु०-1992.00 लाख (रु० उन्नीस करोड़ बयानवे लाख मात्र) की धनराशि संलग्न बी०एम-15 के विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय गिन्नालिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उसी योजना के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 3- उक्त व्यय में बजट मैन्युअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं शासन द्वारा पितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीक का प्रयोग किया जाय।
- 5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 6- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 8- धनराशि आहरण सी०सी०एल० हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दि० 31.03.09 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा, स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपभोग के बाद ही परिव्यय की उपलब्धता पर अग्रिम किस्त स्वीकृत की जायेगी।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-20 में आयोजनागत मद के अन्तर्गत मतदेय के लेखाशीर्षक 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूँजीगत परिव्यय, 01-बाढ़ नियंत्रण आयोजनागत 103-सिविल निर्माण कार्य

01-कन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजनायें 01-नदी में सुधार तथा कटाव निरोधक योजना में 24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा एवं संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र के स्तम्भ-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 884/XXVII-2/2008 दि० 03.12.08 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न: यथोक्त

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
अपर सचिव

संख्या 3963 / 11-2008- / 03(32) / 08 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-निजी सचिव, ना० सिंचाई मंत्री जी को मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 3-वित्त अनुभाग-2 उत्तराखण्ड शासन।
- 4-नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5-मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6-निदेशक राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 7-रजिस्ट्रार कोषाधिकारी देहरादून।
- 8-निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9-गार्ड फाईल।

संलग्न: यथोक्त

(एस०एस०टोलिया)
अनु सचिव

084 / XXV (C) / 2008
2009

18/12/2021

पुनर्विनिर्माण स्वीकृत

मार्ग २२/१२/००
(रुमोसी०जाशी)
अपर सविद्व

References

25/12/2011

3963 / 11-2007-3 (32) 17-12-08

श्रीजिने गणेशविद्या को रक्षाष्टक आठवक का रचनाही रच भक्ति है

- १ विविध अनुसूचा-२ ।
- २ विभागाधिकारी / कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र ।
- ३ मुख्य अभियंता एवं डी.आर.आर. विभाग, विभागाध्यक्ष, देवघर ।

(KARUNAKAR NIGRAH)
अग्रे खिंचे ।